No. of Printed Pages : 6

BPY-006

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(PHILOSOPHY) (B.D.P.)

Term-End Examination

June, 2023

(ELECTIVE COURSE)

BPY-006 : METAPHYSICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Analyze the concept of being in the western philosophical tradition. 20

Or

Bring to light the notion of 'Being as True'.

2. Examine the basic nature of knowledge that proceeds from the metaphysical nature of finite being. 20

Or

Explain the scope of metaphysics with reference to the material and formal object.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Explain the significance of analysis and synthesis as methods of metaphysics. 10

   (b) Bring to light the relationship between matter and form. 10

   (c) Explain the ontological and psychological dimensions of the human personality. 10

   (d) Explore the notion of 'Being as Good'. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Trace the history of the concept of beauty. 5

   (b) What is the historico-temporal notion of entity ? 5

   (c) Describe the principle of individualisation in Aristotle. 5

   (d) State out the metaphysics of the Bhagvad-gita. 5

   (e) How would you describe the metaphysics of John Locke ? 5

   (f) Bring to light the metaphysics of Shaivism. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Prime matter 4

(b) Unqualified goodness 4

(c) Substance 4

(d) Relationship between truth, beauty and goodness 4

(e) Sources of knowledge 4

(f) The problem of free will 4

(g) Intuition 4

(h) Synthetic Apriori judgments 4

BPY-006

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.-006 : तत्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. पाश्चात्य दार्शनिक परम्परा में सत् (Being) के विचार का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

'सत्य के रूप में सत्' (Being as True) की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

2. सीमित सत् की तत्वमीमांसीय प्रकृति से निसृत ज्ञान की मूल प्रकृति का परीक्षण कीजिए।

अथवा

भौतिक एवं आकारिक विषय के सन्दर्भ में तत्वमीमांसा के विषयक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***200*** शब्दों में दीजिए :

(क) तत्वमीमांसा की पद्धति के रूप में विश्लेषण एवं संश्लेषण के महत्व की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) पदार्थ और आकार (form) के मध्य सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए। 10

(ग) मानव व्यक्तित्व के सत्तामूलक एवं मनोवैज्ञानिक पक्ष की व्याख्या कीजिए। 10

(घ) 'शुभ के रूप में सत्' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए :

(क) सुन्दरता के प्रत्यय के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 5

(ख) सत्ता की ऐतिहासिक-सामयिक अवधारणा क्या है? 5

(ग) अरस्त् के व्यक्तिकरण सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 5

(घ) भगवद्गीता की तत्वमीमांसा को प्रस्तुत कीजिए। 5

(ङ) जॉन लॉक की तत्वमीमांसा का वर्णन आप कैसे करेंगे? 5

(च) शैववाद की तत्वमीमांसा पर प्रकाश डालिए। 5

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग *100* शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्राथमिक पदार्थ 4

(ख) अमूर्त (Unqualified) शुभता 4

(ग) द्रव्य (Substance) 4

(घ) सत्य, सुन्दरता एवं शुभ के मध्य सम्बन्ध 4

(ङ) ज्ञान के स्रोत 4

(च) स्वतन्त्र संकल्प की समस्या 4

(छ) अतीन्द्रिय ज्ञान 4

(ज) संश्लेषणात्मक पूर्वानुभविक निर्णय 4